Roll No : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **3**

AP–467

M.A. (Final) Examination, 2021

RAJASTHANI

Paper - IV (iii)

(विशिष्ट साहित्यकार-जनकवी गणेश लाल व्यास 'उस्ताद')

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **100***

(सगळां सवालां रा पडूत्तर राजस्थानी में ई देवंणा है।)

(खण्ड–अ) **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सगळां **दस** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। हरैक सवाल वास्ते **2** अंक अर् **50** सबदां मांय देवणां है।

(खण्ड–ब) **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात सवालां मांय सूं किणी **पांच** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। हरैक सवाल वास्ते **200** सबद अर् **8** अंक राखीज्या है।

(खण्ड–स) **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार सवालां मांय स्यूं कोई **दोय** सवालां रा पडूतर दिरावो। हरैक सवाल वास्ते **500** सबद अर् **20** अंक राखीज्या है।

खण्ड–अ प्रत्येक 2

1. नीचै लिख्यां सगळां सवाला रा पड्त्तर दिरावो (सबद सीमा **50** सबद) :

(i) गणेशीलाल व्यास 'उस्ताद' मा-बाप रो नांव बताओ।

(ii) 'उस्ताद' रो इस्ट अर देव कुण हा नांव लिखो ?

(iii) 'उस्ताद' री दीठ मांय राकस-खईस कुण हा ?

(iv) 'व्यास जी' कुण-कुण सैं अखबारां मांय काम कर्‌यो ?

(v) जन कवि 'उस्ताद' री पोथियां रा नांव मांड़ो।

(vi) 'उस्ताद' कितरी भासावां रा जाणकार हां ?

(vii) ''धर खेचण दुसम सीवादै, दो चीता दोनूं दिस दादै'' अठै दो चीता किसा है ?

(viii) 'उस्ताद' सौ बरस कद पूरा कर्‌या हा ?

(ix) 'उस्ताद' रो ब्यावं किण सागै हुयो हो नाम बताओ ?

(x) 'उस्ताद' आपरै जीवण मांय किण-किण पद पर नोकरी करी ही ?

खण्ड–ब प्रत्येक 8

नोट :– नीचै लिख्यां सात सवालां मांय सूं पांच सवालां रा पडूत्तर देवणां है (सबद सीमा **200** सबद) :

2. जद जन रै पग बेड़ी ही

जनता गाडर जैड़ी जी

राजा रौ जोर जमावण

अंग्रेज फौज नैड़ी ही

जद कठै दबी जरबां सूं

अब किण रै हाथ दबांणी

आ जन कवि री जुग वांणी

आ कदैह न चुप रह जांणी।

3. हाथ सरीखा नर नै नारी, क्रोड भुजां बळ नै कांई भारी,

जो रीतां जन रा पग बांधै, वांरी नाड़ मरोड़ौ

बंधणां नै तोड़ौ, जुग रा जूंझारां दौडौ-दौडौ॥

4. धर खेंचण दुसमण सीवाड़ै, दो चीता दोनू दिस दाड़ै,
अेकमनौ जाग्यां जन जोबन, अेक भिडै इक्कीस पछाड़ै,
बजरबळी भारत रै रथ रा, सगळा तुरंग कुमेत चाहीजै
जन जन रै मन हेत चाहीजै॥

5. सब मिनखां रौ लोई रातौ सैंग बराबर अंग
साथ जुत्या जीवण री गाड़ी भेद कियां बदरंग
जन रै मन मे गांठा घुळगी करसी आपस में अपकार
जनता जात-पांत मे बंटगी घटग्यौ जीवण तणौ करार॥

6. बाप नै बेटौ छळै है, रूंख कांटा रा फळै है
आज दुसमण है गढ़ी में घर दिया सूं घर बळै है
सूरता गम में गळै है, पंच मारग सूं टळै है
राज मद री घट-चढी में, पाप रा पूळा पळै है
भूलग्या सरपंच निबळां सूं सगाई
जाग रण बंका सिपाई॥

7. 'उस्ताद' री कविता 'दीवट' रा भाव आपरै आखरा मांय उकेरो।

8. 'खातौ बोहरां सूं मत घालौ' कविता मांय कवि कांई संदेस देवै समझाओ।

खण्ड–स प्रत्येक 20

नोट :– नीचै लिख्या साल सवालां मांय सूं दो सवालां रा पडूत्तर देवणां (सबद सीमा **500** सबद) :

9. जनकवि 'उस्ताद' रै जीवण परिचय री ओळखांण करावो।

10. 'उस्ताद' करसा-मजूरां रो कवि हो 'इण कथन री विरोळ करावो।'

11. 'उस्ताद' रै काव्य-उद्देश्य नै आपरै सबदा मांय लिखो।

12. 'उस्ताद' रै काव्य मांय नारी रो चितराम किण भांत हुयो है अर 'उस्ताद' रै काव्य री नारी किण रूप मांय प्रकट हुयी है उदाहरण सेती खुलासो करो।